

चंडीगढ़ में पंजाब पुलिस के पूर्व शीर्ष पुलिस अधिकारी ने राज्य सरकार पर सत्ताधारी अकाली दल और वपिक्री कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं पर राज्य में मादकपदार्थ माफिया के साथ कथित मिलीभगत के लंबे कर्वाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के लंबे कर्वाई में पूर्व पुलिस महानिदेशक (करागार) शशकिंत ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार ने शरीमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेस के 10 नेताओं के खिलाफ कोई कर्वाई नहीं की जबकि उन्होंने उन राजनेताओं की सूची दी है जिनके मादकपदार्थ माफिया के साथ घनिष्ठ संबंध हैं।

पंजाब सरकार ने यद्यपि उनके दावों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पूर्व डीजीपी को तब कर्वाई करनी चाहिए थी जब वह पद पर थे और अब आरोप लगाने का कोई मतलब नहीं है।

मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने फरीजपुर में कहा, “शशकिंत ने तब कर्वाई क्यों नहीं की जब वह पंजाब के जेल डीजीपी थे?”

शशकिंत ने राज्य में मादकपदार्थ की बुराई के बारे में अदालत को लिखा था। उनके पत्र को कजनहति याचिका माना गया था और उन्हें 13 अगस्त को अदालत में पेश होने के लिए कहा गया। उन्होंने सोमवार को इस बुराई पर कवसित रपिर्ट पेश की। मुख्य न्यायाधीश संजय कशिण कौल के नेतृत्व वाली कखंडपीठ ने उनके द्वारा कही गई बातों पर संज्ञान लेते हुए क्ल कहा कि अदालत याचिका पर गौर करके कनरिणय करेगी।

शशकिंत ने पत्र में कहा है कि उन्होंने करीब छह वर्ष पहले तत्कालीन राज्य सरकार को उन राजनेताओं की कसूची दी थी जो मादकपदार्थ की तस्करी में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, “उस समय करीब 10 से अधिक राजनीतिज्ञ प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से मादकपदार्थ की तस्करी में लपित थे। मैंने तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल से भी मुलाकत की और मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने मुझसे वादा किया था कि वह इन राजनेताओं में से कुछ से बात करेंगे लेकिन अभी तक कोई कर्वाई नहीं की गई है।”

उन्होंने यह कहते हुए नामों का खुलासा करने से इनकार कर दिया कि वह जरचरत पने पर उनके नाम अदालत को देंगे।

उन्होंने कहा, “इस सूची में शरीमणि अकाली दल, भाजपा और कांग्रेसी नेताओं के नाम हैं। जांच के रिकर्ड पुलिस विभाग के पास हैं।”

शशकिंत के बयान पर पंजाब के उप मुख्यमंत्री वं राज्य के गृह मंत्रालय का प्रभार संभालने वाले सुखबीर सिंह बादल ने खदूर साहबि में कहा, “ऐसा लगता है कि शशकिंत चुनाव लने दशिया में बने रहे हैं।”

बादल ने कहा कि जब शशकिंत डीजीपी करागार थे उन्होंने कभी भी राज्य में ऐसे माफिया के बारे में सूचना नहीं दी।

उन्होंने कहा, “अभी तक कसी भी राजनेता का नाम सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा, “हमने दो या तीन दिन पहले तीन सआई को बरखास्त किया क्योंकि यह बात सामने आयी कि वे मादकपदार्थ तस्करों की मदद कर रहे थे।”

(भाषा)